E-Learning Study Material
By Prof (DR) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR
B.A. Part TWO Economics Hons
Paper-Third

Causes of Low Productivity of Indian Agriculture :-

वस्तुतः भारत एक कृषि प्रधान देश है तथा आज भी यहाँ की करीब 70 प्रतिशत जनता अपनी आजिविका के लिए कृषि पर निर्भर है। देश की राष्ट्रीय आय का अधिकांशभाग कृषि से ही प्राप्त होता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान पूरी दुनिया के औसत से अधिक है जो 6.4 प्रतिशत आँकी गयी है।

निस्सन्देह स्वतंत्र भारत में कृषि की उत्पादकता लगातार बढ़ी है तथा 1965-66 के पश्चात् हरित क्रान्ति के प्रभाव के कारण इसमें विशेष सुधार आया है तथापि आज भी हमारी कृषि की उत्पादकता विश्वभर में काफी नीची है। यह काफी चिन्ताजनक स्थिति है। हमारा मुख्य खाद्य फसल चावल की

प्रति हेक्टेयर उपज जापान की 31 प्रतिशत है। भारत में प्रति हेक्टेयर गेहूँ की औसत उपज 20 क्विंटल है, जबकि फ्रांस में 43 क्विंटल और जर्मनी में 45 क्विंटल है। हमारी मुख्य व्यापारिक फसल कपास की प्रति हेक्टेयर उपज अमेरिका की 1/6 है। दूसरी फसलों के सम्बन्ध में भी यही स्थिति है।

भारतीय कृषि की कम उपज या पिछड़े होने के अनेक कारण हैं जिन्हें निम्नलिखित तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है:-

A. प्राकृतिक कारण (Natural Causes)
B. तकनीकी कारण (Technological Causes)
C. संगठनात्मक कारण (Organisational Causes)

वर्गीकृत कारणों की व्याख्या संक्षिप्त इस प्रकार है:-

A. प्राकृतिक कारण (Natural Causes):- भारतीय कृषि की कम उपज अथवा पिछड़े होने के प्राकृतिक कारण निम्नलिखित हैं

(i) वर्षा पर निर्भरता:- भारत में सिंचाई के साधनों का बहुत कम विकास हो सका है जिसके कारण किसानों को खेती के लिए मुख्यतः

वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है। यहाँ कुल सिंचाई का करीब 83 प्रतिशत भाग वर्षा पर ही आश्रित रहना पड़ता है। लेकिन चूंकि मानसून अनिश्चित होता है अतः ~~कभी~~ कभी अल्प वृष्टि तो कभी अतिवृष्टि होती है जिससे सूखा या बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है और फसल मारी जाती है। शायद ही कोई ऐसा वर्ष हो जिसमें पूरे देश में निश्चित समय पर और पर्याप्त मात्रा में वर्षा होती हो और फसल होती हो। इसीलिए कहा गया है कि "भारतीय कृषि मानसून के साथ जुआ है।" (Indian agriculture is a gamble in the monsoon) इस प्रकार भारतीय कृषि की वर्षा पर अत्यधिक निर्भरता इसकी कम उपज होने का प्रधान कारण है।

(iii) मिट्टी का कटाव :- भारत में मिट्टी की कटाव की समस्या भी विद्यमान है। अत्यधिक वर्षा हवा ~~[illegible]~~ आदि के कारण भूमि की ऊपरी सतह का पोषक तत्व कट कर नष्ट हो जाता है जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी हो जाती है फलतः फसल की उपज कम होती है। भारत में मिट्टी के कटाव की समस्या मुख्यतः बिहार, असम, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं अन्य पहाड़ी इलाकों में विद्यमान है।